UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 10 प्रहेलिकाः

शब्दार्थाः –

वने = जंगल में, जले में,
अस्थि = हड्डी,
असिवत् = तलवार की भाँति,
न = न अक्षर,
तस्य = उस पद के,
आदिः = आरम्भ में,
यः = अक्षर,
मध्ये = बीच में,
तस्यान्तः = उसके अन्त में,
तव अपि अस्ति = तुम्हारे पास भी है,
सः कः? = वह कौन है?,
एकचक्षुः = एक आँख वाला,
पन्नगः = साँप,
क्षीयते = घटता है,
पक्षिराजः = पक्षियों का राजा,
त्रिनेत्रधारी = तीन आँखों वाला,
शूलपाणिः = त्रिशूले जिसके हाथ में है,
त्वग्-वस्त्रधारी = छाल, वस्त्र वाला,
बिभन्न (बिभ्रतु+न) = भरा हुआ नहीं।

वने वसति.....गतः।।1।।
हिन्दी अनुवाद – वन में बसता है, कौन वीर है जिसके हड्डी, मांस नहीं है। तलवार. की तरह कार्य करता है, काम करके वन में जाता है।
उत्तर– कुम्हार का डोरा।।

न तस्यादिः.....तद् वद।।2।।
हिन्दी अनुवाद – जिसका न आदि है, न अन्त है। जिसके मध्य में य बैठा रहता है। जो मेरे पास भी है, तुम्हारे पास भी है। यदि जानते हो, तो बताओ।
उत्तर– नयन |

एकचक्षुर्न.....चन्द्रमाः ।3।।
हिन्दी अनुवाद – एक नेत्र है, कौआ नहीं है। बिल में रहता है, साँप नहीं है। घटता और बढ़ता है, लेकिन चन्द्रमा और समुद्र नहीं है।
उत्तर– सूई धागा।

https://www.evidyarthi.in/

प्रकाशः.....सः कः।4।।
शब्दार्थाः – कलाभिः च वर्धते = कलाओं से बढ़ता है, **चकोरस्य** = चकोर का, **वृक्षअग्रवासी** = वृक्ष के अगले हिस्से पर रहता है।
हिन्दी अनुवाद – प्रकाश है, शीतल है, कलाओं से बढ़ता है, सबके ताप हरता है और चकोर को प्रिय है, वह कौन है? ।
उत्तर– चन्द्रमा।

वृक्षाग्रवासी न.....मेघः।।5।।
हिन्दी अनुवाद – वृक्ष परे रहता है, लेकिन पक्षिराज गरुड़ नहीं। तीन आँखों वाला है, परन्तु त्रिशूलधारी शिव नहीं। छाल के वस्त्र पहनता है, मगर योगी या तपस्वी नहीं। जल धारण किए हुए है, किन्तु बादल नहीं, घड़ा नहीं।
उत्तर– नारियल।

https://www.evidyarthi.in/